**फिर कंहा से आयेगी माँ**

गर्भवती महिला डाक्टर के पास गयी | उसकी सास और पति बाहर बैठे हुए थे | अंदर केबिन ने डाक्टर के साथ एकांत पाकर वो अपनी मनोवेदना रोक नहीं पायी – ‘ डाक्टर साहब मेरे घरवाले मेरा भ्रूण परीक्षण करवाना चाहते है जबकि मेरी अंतरात्मा इसके लिए तेयार नहीं है तो आप मेरी मदद कीजिये आप कोई युक्ति बता दीजिये कि यह समस्या टल जाये | ‘

कुछ देर रुकने के बाद उसने डाक्टर से कहा – एक काम करिए मेरे पति और सास से कह दीजिये कि अगर आप भ्रूण चेक करवाते है तो मैं यह केस नहीं लूंगी और आप डिलीवरी भी कंही और करवा लीजिये |

डाक्टर कहने लगी – वैसे तुम क्यों नहीं चाहती ? क्या बेटा नहीं चाहिए तुम्हे ? एक बेटी तो है तुम्हे फिर क्यों तुम खतरा मोल ले रही हो ?

महिला – खतरा ! वह चौंक पड़ी |

डाक्टर साहब ! आज मैं ही अगर ऐसा सोच ले तो माँ कौन बनेगी और सृष्टि कैसे चलेगी ?

रचना गौड़ ‘भारती’